



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1  
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 120]  
No. 120]

नई दिल्ली, शुक्रवार, जून 25, 1982/आषाढ़ 4, 1904  
NEW DELHI, FRIDAY, JUNE 25, 1982/ASADHA 4, 1904

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके  
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

## वाणिज्य मंत्रालय

आयात व्यापार निबंधन

सार्वजनिक सूचना संख्या 32-आईटीसी (पीएन)/82

नई दिल्ली, 25 जून 1982

विषय:—निर्यात उत्पादनों के लिए 'मध्यस्थों' के विनिर्माण के लिए कर छूट योजना।

(वि० सं० 1/43/आरईपी/74-ईपीसीसी 5):—वाणिज्य मंत्रालय की सार्वजनिक सूचना सं० 16-आईटीसी(पीएन)/82 दिनांक 5 अप्रैल, 1982 के अधीन प्रकाशित नया संशोधित अप्रैल, 1982—मार्च, 1983 की आयात-निर्यात नीति (जिल्द 1) के परिशिष्ट 19 में कर छूट योजना के पैरा 22 में किए गए प्रावधानों की ओर ध्यान दिलाया जाता है।

2. इस प्रावधान के अनुसार, कर छूट योजना, निम्न प्रकार के मामलों के लिए भी लागू होगी:—

- (1) जिस मामले में "विशिष्ट" माल का आयात उस मध्यस्थ उत्पाद के निर्माण के लिए किया जाता हो जिसका संरक्षण निर्यात उत्पाद के उत्पादन के लिए किसी अन्य अधिनियम द्वारा संरक्षित किया जाता हो।
- (2) जिस मामले में "विशिष्ट" माल का आयात उस मध्यस्थ उत्पाद के निर्माण के लिए किया जाता हो जिसका संरक्षण निर्यात उत्पाद के उत्पादन के लिए भारत के स्वतंत्र व्यापार क्षेत्र में स्थित किसी औद्योगिक यूनिट को किया जाता है।

3. इस प्रावधान के अधीन मामलों पर विचार करने की निम्नलिखित प्रक्रिया होगी:—

- (1) अधिनियमों के आयात आदेशों पर विचार केवल "मध्यस्थों" के निर्माण के लिए प्रत्येक के मामले में दर्शाए गए कच्चे माल के लिए ही किया जाएगा:—

क्रम संख्या	आयात के लिए कच्चा माल	निर्माण उत्पादन के लिए मध्यस्थ उत्पाद
1	2	3
1.	कच्चा ऊन	बूना टॉय
2.	शहतूत के कच्चे रेशम	इयिथिय यार्न से भिन्न बार्न के साथ बफ्ट में किलादूर/रीलड यार्न के 100% शहतूत के रेशमी वस्त्र।
3.	डाइमेथाइल टेरिफेनैट (डी एम टी) मोनोइथीलीन ग्लाइकोल	पॉलिएस्टर फाइबर।
4.	डाइमेथाइल टेरिफेनैट (डी एम टी) टेरिफेनैट एमिड (टीपीए) मोनोइथीलीन ग्लाइकोल, टिटेनियम डाइ-क्वाइड (सभी वर्गों के)	पॉलिएस्टर फिनामेंट यार्न
5.	नायलॉन फिनामेंट यार्न/पॉलिएस्टर फिनामेंट यार्न	नाइलॉन फिनामेंट यार्न/पॉलिएस्टर फिनामेंट यार्न।

1	2	3
6. कंपोसिटम	लाइसोन फिनामेंट यार्न ।	
7. एक्जिलिक फाइबर	एक्जिलिक यार्न	
8. इलेक्ट्रोस्टैटिक टिन प्लेट	ओ टी एम केम/डिगले केम ।	
9. हाथी दाँत के बोर्ड को छोड़कर कापट पेपर और पेपर बोर्ड	मुद्रित या अमुद्रित कार्टन ।	
10. उच्च घनत्व/निम्न घनत्व वाला पालि-बिस्लीन मोल्डिंग पाउडर	किसी भी रूप में एल डी पी ई/एच डी पी ई की वस्तुएं	
11. पॉलिप्रोपीलीन मोल्डिंग पाउडर	किसी भी रूप में पोलिप्रोपीलीन की वस्तुएं ।	
12. पी पी सी रेजिन	पी पी सी उत्पाद	
13. स्टैनेलेस हॉट रोल्ड स्टील शीट्स/रुल्ल्स (अव्युत्पन्न)	कोल्ड रोल्ड स्टेनलेस स्टील शीट्स (अव्युत्पन्न)	
14. परिष्कृत जिलेटिन	बाली जिलेटिन कैप्सूल	
15. पैरा-नाइट्रोफिनॉल	पारानिटामोल	
16. लौहियम अल्कोहल, कार्बोसो सोडा, मोडियम लौहियम ईयर ब्लैकटे।		

(2) अग्रिम लाइसेंसों के लिए आवेदन-पत्र उसी रूप में और तरीके में भेजे जाएंगे जैसा कि 1982-83 के लिए आयात एवं निर्यात नीति (जिफ्ट-1) के परिशिष्ट-19 में निर्धारित है, इनका छोड़कर बाकी ऐसे सभी आवेदन-पत्रों पर मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात की अग्रिम लाइसेंस समिति द्वारा विचार किया जाएगा। इसविषय, जब मूल आवेदन-पत्र क्षेत्रीय लाइसेंस प्राधिकारी को भेजा जाए तो उसकी प्रतिया उसी समय मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, नई दिल्ली (ई पी-2 अनुभाग), महाविदेशिक तकनीकी विकास, नई दिल्ली (आयात एवं निर्यात नीति सेल) और निदेशक (शुल्क वापसी) राजस्व विभाग, जीवन दीप बिल्डिंग, समद मार्ग (पालियामेंट स्ट्रीट), नई दिल्ली को भी भेजी जाती चाहिए। अग्रिम लाइसेंस अग्रिम लाइसेंस समिति द्वारा लिए गए निर्णय के आधार पर संबंधित लाइसेंस प्राधिकारी द्वारा जारी किया जाएगा।

(3) यदि ऐसा प्रत्येक अग्रिम लाइसेंस जारी किया गया हो तो वह हम शर्त के अधीन होगा कि या तो लाइसेंसधारी विनिष्ट विवरण और मूल्य के माल का निर्यात विनिष्ट अवधि के भीतर करेगा या उसी मूल्य के लिए और उसी माल की पूर्ण निम्नलिखित को उसी अवधि के भीतर करेगा :—

(क) उसी माल के अन्य अग्रिम लाइसेंसधारी को, और/या

(ख) भारत में मुक्त व्यापार क्षेत्र में स्थापित अन्य औद्योगिक एकक को,

उपर्युक्त (क) और (ख) के अंतर्गत निर्यात उत्पादन के लिए संभरण प्राप्त करने के लिए, माल के क्रेता को अपने नाम में रिहाई आदेश जारी करवाने के लिए संबंधित लाइसेंस प्राधिकारी से सम्पर्क करना पड़ेगा। रिहाई आदेश में (1) संभरक का नाम, (2) संभरक के अग्रिम लाइसेंस की संख्या और तिथि, (3) संभरण किए जाने वाले माल का विवरण, (4) क्रेता और विक्रेता के बीच तय किए गए के अनुसार संभरण किए जाने वाले माल का मूल्य, (5) संभरण किए जाने वाले माल की मात्रा/भार, (6) उस अवधि का संकेत किया जाएगा जिसके दौरान माल का संभरण किया जाए, जो उस अवधि में ज्यादा नहीं होगी जब तक अग्रिम लाइसेंसधारी संभरक द्वारा लाइसेंस

की शर्तों के अंतर्गत माल का निर्यात कर दिया गया हो। ऐसे रिहाई आदेश के लिए आवेदन-पत्र माल के क्रेता पर भेजे जा सकते हैं और उनके लिए कोई शुल्क देना आवश्यक नहीं है।

(4) अग्रिम लाइसेंसधारी (अर्थात् क्रेता) के नाम में रिहाई आदेश जारी करने समय लाइसेंस प्राधिकारी क्रेता के अग्रिम लाइसेंस पर माल की उस सीमा तक सीधे आयात के लिए अनाई करने हुए एक पुष्टीकरण करेगा जिस सीमा तक स्थानीय संभरण प्राप्त करने के लिए प्राधिकृत करने हुए रिहाई आदेश जारी किया गया है। यदि क्रेता ऐसा एकक है जो मुक्त व्यापार क्षेत्र में स्थापित है, जो इस प्रकार प्राप्त किए गए माल का मूल्य क्षेत्र में संबंधित एकक द्वारा निर्यातित उत्पादन के अतिरिक्त मूल्य के लिए क्षेत्र में एकक द्वारा आयात के रूप में गिना जाएगा।

(5) रिहाई आदेश तीन प्रतियों में जारी किया जाएगा। एक प्रति लाइसेंस प्राधिकारी द्वारा रखी जाएगी और दो प्रतियां माल के क्रेता को सीप दी जाएंगी। क्रेता रिहाई आदेश की एक प्रति संभरक से माल की सुपुर्दगी लेते समय उसे सीप देगा।

(6) रिहाई आदेश के मुद्दे भारत में माल का संभरण करने वाला अग्रिम लाइसेंस धारक विक्रेता से उसके द्वारा माल प्राप्त होने के सबूत में रिहाई आदेश पर ही पावनी ले लेगा। यह मूल रूप में संभरक द्वारा उसके अग्रिम लाइसेंस पर लगाए गए आभार को पूरा करने के माध्यम के रूप में संबंधित लाइसेंस प्राधिकारी को प्राप्त की जाएगी।

(7) निर्यात आभार को पूरा करने के लिए अवधि में वृद्धि के लिए किसी भी आवेदन-पत्र पर अग्रिम लाइसेंस समिति द्वारा विचार किया जाएगा।

(8) संबंधित निर्यात आभार को पूरा करने के बाद, इस श्रेणी का प्रत्येक अग्रिम लाइसेंस धारक परिशिष्ट 19 में कर छूट योजना की कोडिका 8 के अनुसार आयात प्रतिपूर्ति लाइसेंस के लिए पात्र होगा।

रोषा मजुमदार, मुख्य नियंत्रक  
आयात-निर्यात

MINISTRY OF COMMERCE  
IMPORT-TRADE CONTROL  
PUBLIC NOTICE NO. 32-ITC(PN)/82

New Delhi, the 25th June, 1982

Subject:—Duty Exemption Scheme for manufacture of "inter-mediate" for export production.

File No. 1/45/REP/74-EPC(Vol. V).—Attention is invited to the provision contained in Para 22 of Duty Exemption Scheme in Appendix 19 in the Import and Export Policy for April, 1982 - March, 1983 (Vol. I) published under the Ministry of Commerce Public Notice No. 16-ITC(PN)/82 dated the 5th April, 1982, as amended.

2. In terms of this provision, the Duty Exemption Scheme will also apply to the following types of cases:—

- Where 'specified' materials are to be imported for manufacture of an "intermediate" product to be supplied to another Advance Licence holder, for production of the export product.
- Where 'specified' materials are to be imported for manufacture of an "intermediate" product to be supplied to an industrial unit located in a Free Trade Zone in India, for production of the Export product.

3. The procedure for dealing with cases under this provision will be as under:—

(1) Import applications for Advance Licences will be entertained only for the following raw materials, for manufacture of the "intermediates" shown against each:—

Sl. No.	Raw material for import	Intermediate product for export production.
1.	Raw Wool	Wool Top
2.	Mulberry Raw Silk	100% Mulberry Silk Fabrics of nature reeled yarn in the warp as well as weft, other than dupion yarn.
3.	Dimethyl Terephthalate (DMT), Monoethylene Glycol.	Polyester Fibre.
4.	Dimethyl Terephthalate (DMT), Terephthalic Acid (TPA), Mono Ethylene Glycol, Titanium Dioxide (all grades).	Polyester Filament Yarn.
5.	Nylon Filament Yarn/ Polyester Filament Yarn.	Fabrics made of Nylon Filament Yarn/Polyester Filament Yarn.
6.	Caprolactum	Nylon Filament Yarn.
7.	Acrylic fibre	Acrylic Yarn.
8.	Electrolytic tin plate	O.T.S. Cans/Dingley Cans.
9.	Craft paper and paper board other than ivory board.	Cartons printed or not.
10.	High density/Low density Polyethylene Moulding Powder.	Articles of LDPE/HDPE in any form.
11.	Polypropylene moulding powder.	Articles made of polypropylene in any form.
12.	PVC Resin	PVC products.
13.	Stainless hot rolled Steel Sheets/Strips (non-magnetic)	Cold Rolled Stainless Steel Sheets (non-Magnetic).
14.	Refined Gelatine	Empty Gelatine Capsules.
15.	Para-Nitro Phenol	Paracetamol.
16.	Lauryl Alcohol, Caustic Soda.	Sodium Lauryl Ether Sulphate.

(2) Applications for Advance licences should be made in the same form and manner as laid down in Appendix 19 of Import & Export Policy for 1982-83 (Vol. I) except that all such applications will be considered by the Advance Licences Committee in the Office of the CCI&E, New Delhi. Therefore, while the original application may be sent to the regional licensing authority, its copies should simultaneously be sent to CCI&E, New Delhi (EP-II Section), DGTD, New Delhi (Import & Export Policy Cell) and Director (Drawback), Department of Revenue, Jeevan Deep Building, Sansad Marg (Parliament Street), New Delhi. The Advance Licence will be

issued by the licensing authority concerned on the basis of the decision taken by the Advance Licences Committee.

(3) Every such Advance Licence, if issued, will be subject to the condition that the licence holder shall either export goods of the specified description and value within specified period or supply the same goods of the same value within the same period to:—

- another Advance licence holder of the same goods, and/or
- another industrial unit located in a free trade zone in India,

for export production. For obtaining supply under (a) and (b) above, the purchaser of the goods will be required to approach the licensing authority concerned for issues of Release Order in his favour. The Release Order will indicate (i) the name of the supplier, (ii) the number & date of the Advance Licence held by the supplier, (iii) the description of goods to be supplied, (iv) the value of goods to be supplied as settled between the buyer and the seller, (v) the quantity/weight of the goods to be supplied, and (vi) the period during which the goods shall be supplied, which will not be longer than the period upto which the supplier Advance licence holder would have exported the goods under the terms and condition of the licence. The application for such Release Order may be made on a plain paper and no application fees need be paid.

(4) While issuing Release Order in favour of Advance Licence holder (i.e. buyer, the licensing authority will endorse the Advance licence of the buyer, making it invalid for direct imports to the extent of the goods for which Release Order is issued authorising supply to be obtained locally. Where the buyer is a unit located in free trade zone, the value of the goods thus obtained will be taken into account as import by the unit into the zone for the purpose of value addition of the products exported by the unit concerned from the zone.

(5) The Release Order will be issued in triplicate. One copy will be retained by the licensing authority and two copies handed over to the buyer of the goods. The buyer will hand over one copy of the Release Order to the supplier while taking delivery of the goods from him.

(6) The Advance licence holder supplying the goods in India against a Release Order will obtain on the Release Order itself a receipt from the buyer in token of goods having been received by him. This, in original, shall be produced by the supplier to the licensing authority concerned as an evidence of discharge of the obligation imposed on his Advance Licence.

(7) Any request for extension in the period for discharge of export obligation will be considered by the Advance Licensing Committee.

(8) Every Advance Licence holder of this category, will after fulfilment of the relevant export obligation, be eligible to import replenishment licence in terms of para 6 of the Duty Exemption Scheme in Appendix 19.

ROMA MAZUMDAR, Chief Controller  
Imports and Exports

